ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 261283436 रेलवे : 62731
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579 रेलवे : 62101, 62158
फॅक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 23 | अंक : 89 | अप्रैल – जून 2019

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन — To Beam as a Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. इंडियन रेलवे हेरिटेज पर वर्कशॉप
2. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 143 वीं बैठक
4 संस्थान में नीति शास्त्र पर व्याख्यान
5. विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन
6. संस्थान में ई–ऑफिस का प्रारंभ
7. उम्मीद मेडिकल कार्ड
8. छात्रावास में कमरों की अपडेट स्थिति
9. उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मान
10. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन
11. स्वागत / विदाई
12. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति
13. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

1. इंडियन रेलवे हेरिटेज पर वर्कशॉप



एफ1–734 : (राजपुताना मालवा रेलवे के एफ1–734 को भारत में निर्मित होने वाले प्रथम स्टीम लोकोमोटिव होने का गौरव प्राप्त है।) निर्माणकर्ता – अजमेर वर्कशॉप (1895)

दिनांक 11 एवं 12 अप्रैल, 2019 को ''इंडियन रेलवे हेरिटेज'' पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। रेलवे बोर्ड से कार्यकारी निदेशक/हेरिटेज एवं विभिन्न रेलों से एवं प्रोडक्शन यूनिटों के उच्च प्रशासनिक श्रेणी/ वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी / कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी स्तर के अधिकारियों ने वर्कशॉप में हिस्सा लिया।



रेलवे बोर्ड से सुश्री विनिता श्रीवास्तव, कार्यकारी/ निदेशक – हेरिटेज एवं NAIR से श्री एस.के.बंसल, SPCE/NAIR सहित कुल 37 HAG/SAG/JAG अधिकारियों ने इस वर्कशॉप में हिस्सा लिया।

संरक्षक
अजय गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) दिल्ली के प्रतिनिधि द्वारा विभिन्न संबंधित पहलुओं पर व्याख्यान दिया (जैसे वैल्यूइंग हेरिटेज, इंडियन रेलवे हेरिटेज, डाक्यूमेन्टेशन एंड लिस्टिंग ऑफ हेरिटेज, वेरियस अप्रोचेस फ्रॉम मेनेजमेंट ऑफ इंडियन रेलवे हेरिटेज एंड स्ट्रक्चरल रिपेयर एंड रिकन्स्ट्रक्शन अप्रोचेस फॉर हेरिटेज स्ट्रक्चर्स)। इसके अतिरिक्त पुराने इरिसेन कैम्पस के लिए एक तकनीकी दौरे का भी आयोजन किया गया।

2. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार



दिनांक 30 एवं 31 अप्रैल, 2019 को इरिसेन में मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में क्षेत्रीय रेलों के मुख्य रेलपथ इंजीनियर, रेलवे बोर्ड एवं आरडीएसओ के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान वर्ष 2017 में आयोजित मुख्य रेलपथ इंजीनियर सेमिनार की टिप्पणियां एवं 87वीं रेलपथ मानक समिति की मदों पर समीक्षा की गई। सेमिनार में रेल, स्लीपर्स, फासनिंग, बैलास्ट एवं डीप स्क्रिनिंग, प्वाइंट एवं क्रॉसिंग, एलडब्ल्यूआर एवं वेल्डिंग, लेवल क्रॉसिंग इत्यादि सभी कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई।

3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 143 वीं बैठक

दि. 23 मई, 2019 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 143वीं बैठक आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष श्री अजय गोयल, निदेशक/ इरिसेन ने बैठक की अध्यक्षता की।

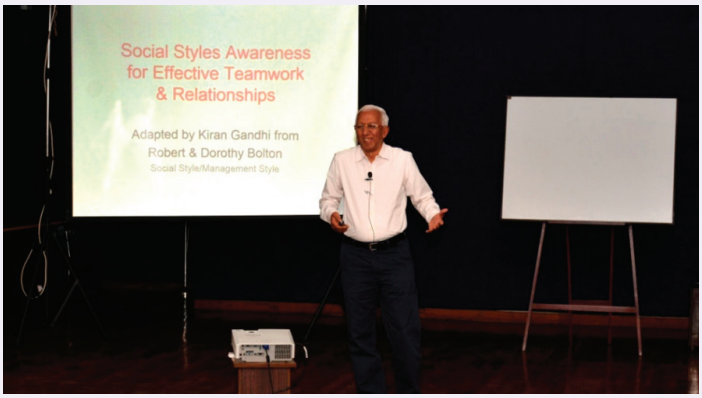


आपने संस्थान में राजभाषा के कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान में हिंदी में कामकाज की प्रगति लक्षणीय है। इसके अलावा आपने बैठक में रेलवे बोर्ड तथा गृह मंत्रालय की विभिन्न पुरस्कार योजनाओं की सूची सभी को जारी की जाए एवं प्रत्येक प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी भी सदस्यों को उपलब्ध करवाई जाए। अंत में सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अधिक से अधिक पुरस्कार योजनाओं का लाभ उठाएं। केवल पुरस्कार के लिए ही कार्य न करें बल्कि उनके किए गए कार्य की सराहना भी हो सके।



श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक पुल एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में बैठक की उपाध्यक्षता की। आपने कहा कि रेलवे बोर्ड के अनुदेशानुसार संस्थान में हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। संस्थान में आयोजित प्रतियोगिताओं में सभी का उत्साहपूर्वक हिस्सा लेना ही राजभाषा में कार्य के प्रति जागरूकता को दर्शाता है। वेबसाइट के द्विभाषीकरण के सराहनीय कार्य हेतु कंप्यूटर अनुभाग को बधाई दी। आपने कहा कि राजभाषा के कार्य को संस्थान के प्रत्येक कर्मचारी तक पहुचांना है जिससे वे राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होते रहें।

4. संस्थान में नीति शास्त्र पर व्याख्यान



संस्थान में दिनांक 17.04.2019 को श्री सुधीर गोगटे, आई जी सेंटर फॉर गवर्नेंस, पंचगणी ने ''इथिक्स एंड वेल्यूस इन सर्विस डिलिवरी'' पर अपना व्याख्यान दिया।

व्याख्यान में संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी गण एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। अपने व्याख्यान के दौरान आपने बताया कि हमें जीवन में किन बातों को महत्व देना चाहिए इसमें प्रत्येक के विचारों के अनुसार भिन्नताएं होगी।

जीवन में हमें किसी से अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। जीवन में अपने कार्यों को पूरा कर उसे भूल जाना चाहिए। प्रत्येक के जीवन में कोई उद्देश्य अवश्य होना चाहिए। अपनी सृजनशीलता को बढ़ाना होगा उन्होंने कहा जैसे : "Skill are taught but Values are caught." जीवन का उद्देश्य प्राप्त उपहार को खोजें और हम क्या अर्पण कर सकते हैं। इस बात पर ध्यान केंन्द्रित करना चाहिए। इसी श्रृंखला में दिनांक 15.05.2019 को श्री किरण गांधी, ट्रस्टी आई जी सेंटर फॉर गवर्नेंस, पंचगणी ने ''सोशल स्टाईल अवेयरनेस फॉर इफेक्टिव टीमवर्क एंड रिलेशनशिप'' पर व्याख्यान दिया तथा दिनांक 26.06.2019 को ''अन प्लग टू रिचार्ज'' पर श्री राहुल शिरोड़कर

ने अपना व्याख्यान दिया। संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विचारों के आदान-प्रदान की इस श्रृंखला की सराहना की गई।

5. विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन



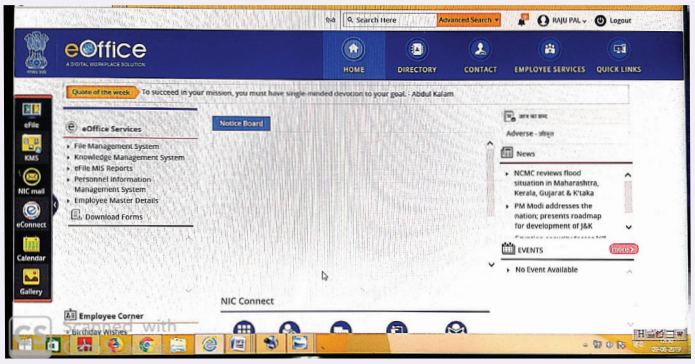
संस्थान में दिनांक 04.06.2019 को पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्य, सभी प्रशिक्षणार्थी एवं इरिसेन के समस्त कर्मचारी गण भारी संख्या में उपस्थित थे। संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा इस विषय पर अपने विचार प्रकट किए गए।



सर्वप्रथम पर्यावरण दिवस के आयोजन, भूमिका एवं महत्व स्पष्ट करते हुए श्री सुनिल पोफले, वरिष्ठ अनुदेशक ने अपने संबोधन में तापमान एवं प्रदूषण वृद्धि के कारणों पर चर्चा की और उपचारात्मक पहलुओं के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात श्री अनंत दसरे, वरिष्ठ अनुदेशक ने पर्यावरण की व्याख्या स्पष्ट करते हुए सिविल इंजीनियरिंग के कारण होने वाली पर्यावर्णिय हानि जैसे सिमेंटाइजेशन, ब्रिक इंडस्ट्रीज आदि से हो रहे हाइड्रेशन और कार्बन उत्सर्जन पर चर्चा की और सिविल इंजीनियरिंग को इको फ्रेंडली बनाने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर पर्यावरण से सबंधित डॉक्यूमेंटरी फिल्मों का भी प्रस्तुतीकरण किया गया।

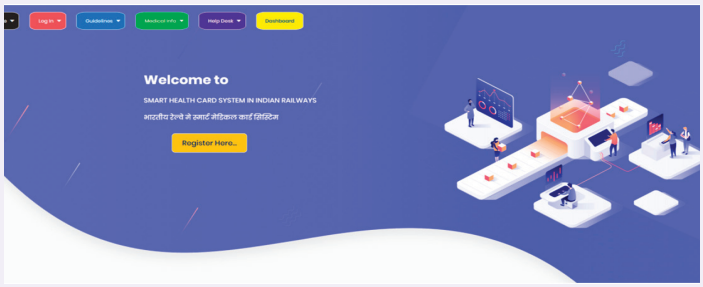
कार्यक्रम के अंत में श्री अजय गोयल, निदेशक ने अपने संबोधन में बताया कि ट्रान्सपोर्टेशन में सड़क यातायात से होने वाले कार्बन उत्सर्जन और तापमान वृद्धि को कम करने में रेलों का अहम योगदान है तथा आपने उपस्थित इंजीनियरों को पर्यावरण संरक्षण के लिए वाटर ऑडिट, वाटर रिसायकलिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वृक्षारोपण एवं संवर्धन करने का भी आग्रह किया, आपने आगे कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए रेल प्रशासन हमेशा सकारात्मक है, इसका हम लाभ ले सकते है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता निर्माण करना ही सेमिनार का उद्देश्य था।

6. संस्थान में ई-ऑफिस का प्रारंभ



माह जुलाई, 2019 से ई-ऑफिस का प्रारंभ एवं पूर्णतया कार्यान्वित हो गया है। इरिसेन में प्राप्त अब सभी डाक / पत्रों की अगली कार्रवाई ई- ऑफिस द्वारा होती है। ई -ऑफिस में कार्य प्रारंभ होने से फाइलों के भेजने एवं अन्य कार्यों में समय की बचत हो गई है। संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसकी कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया है। संस्थान ई-ऑफिस के माध्यम से पेपरलेस वर्किंग के उपयोग में एक कदम और आगे बढ़ गया है।

7. उम्मीद मेडिकल कार्ड (स्मार्ट हेल्थ कार्ड)



भारतीय रेलवे द्वारा विशिष्ट पहचान चिकित्सा प्रणाली (स्मार्ट हेल्थ कार्ड) प्रारंभ की गई है। संस्थान में इस सिस्टम द्वारा कार्ड बनाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। यह सभी चिकित्सा लाभार्थियों को एक विशिष्ट इकाई के रुप में एक अद्वितीय संख्या के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से विशिष्ट पहचान प्रदान करने में मदद करता है। यह विशिष्ट पहचान वेब-सक्षम क्यूआर कोड और अखिल भारतीय स्तर पर आम डेटाबेस के साथ बायोमेट्रिक पहचान की अद्वितीय स्मार्ट सुविधा के साथ और अधिक मजबूत है, यह वेब और मोबाइल एप्लिकेशन पूरे भारतीय रेलवे में फैले सभी स्वास्थ्य इकाइयों में चिकित्सा लाभार्थियों की पहचान करने में मदद करता है ।

8. छात्रावास में कमरों की अपडेट स्थिति



छात्रावास में कमरों की उपलब्धता की अपडेटेड स्थिति को तत्काल जानने के लिए इरिसेन ने एक सॉफ्टवेयर लांच किया है जिससे हम संस्थान के छात्रावास में Vacant और Occupied कमरों की स्थिति को देख सकते हैं और यह कब से कब तक Occupy है और इसमें कौन रह रहा है एवं आनेवाले दिनों की भी जानकारी देख सकते हैं। यह सॉफ्टवेयर शीघ्र ही अन्य सुविधाएं जैसे कि रूम प्लानिंग, मेनू, डिस्प्ले एवं Various Statics प्रदान करेगा। यह एक संस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि है।

9. भा.रे.रा.अ. (NAIR) द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मान

रेल सप्ताह वर्ष 2018-19 के अवसर पर संस्थान के निम्नलिखित कर्मचारियों को महानिदेशक, भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, वडोदरा द्वारा नकद पुरस्कार, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।



श्रीमती चारूशीला ननावरे, तकनीशियन-ग्रेड-II को संस्थान में वर्ष 2018-19 के दौरान उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए ₹ 2500/- का नकद पुरस्कार, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।



श्री कुंडलिक तुकाराम मोरे, वरिष्ठ खलासी को संस्थान में वर्ष 2018-19 के दौरान उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए ₹ 2500/- का नकद पुरस्कार, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

10. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन



संस्थान में दिनांक 21 जून, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। संस्थान के स्पोर्टस् कॉम्पलेक्स में योग संबंधी विभिन्न आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास योग गुरू की अध्यक्षता में संम्पन्न हुआ।

योग सही तरीके से जीने का विज्ञान है और इसे दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक आदि सभी पहलुओं पर काम करता है। योग से शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तीनों स्तर पर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है। निश्चित ही आप योग से 100 वर्ष तक स्वस्थ रहकर जवान बने रह सकते हैं बशर्ते कि आप सदा योग की शरण में रहें। इस अवसर पर अधिकारीगण एवं प्रशिक्षु अधिकारियों ने योग की उपयोगिता को आत्मसात किया और उसे अपने जीवन में लागू करने पर जोर दिया।

11.स्वागत / विदाई



संस्थान में कार्यरत श्री भीमनाथ घाटे, छात्रावास अधीक्षक की सेवानिवृत्ति दिनांक 30 जून, 2019 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है एवं ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।

12. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति



संस्थान में कार्यरत दिवंगत श्री सागर फुगे, खलासी के निधन के पश्चात उनकी पत्नी श्रीमती अनुजा फुगे की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर अवर लिपिक के रूप में की गई है। श्रीमती **अनुजा फुगे** ने दिनांक 04 जुलाई, 2019 को रेल सेवा ज्वाइन कर ली है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

13.समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 19101 - समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम	द्वितीय	तृतीय
		
शैलेंद्र कुमार सहा.मंडल इंजी./ जयपुर/ उत्तर पश्चिम रेल	**राजाराम मीना** सहा.मंडल.इंजी./ भीलवाड़ा/ उत्तर पश्चिम रेल	**प्रकाश सखाराम गोरे** सहा. मंडल इंजी./ वडोदरा/ पश्चिम रेल

भाग्य बहादुर और कर्मठ व्यक्ति का ही साथ देता है। पीछे मुड़कर मत देखो आगे, अपार शक्ति, अपरिमित उत्साह, अमित साहस और धैर्य से ही महत्वपूर्ण कार्य निष्पन्न किए जा सकते हैं।

-स्वामी विवेकानंद

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे- 1
द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित